केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनें तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 88 सोमवार 21 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बेटे के मौत मामले में मां ने लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थानाक्षेत्र के जिभियांव गांव में राजकुमार के आत्महत्या मामले में एक नया मोड़ आ गया है। मृतक की मां सीमा देवी पत्नी रामदत्त ने आरोप लगाया कि फांसी लगाने के दिन कुछ लोगों ने उसके बेटे को मारापीटा था। इसकी शिकायत लालगंज पुलिस से किया। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस कारण वह अवसाद में आ गया और फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। इस बात की शिकायत शनिवार को एसपी से की। राजकुमार आत्महत्या के मामले में राजकुमार की मां सीमा पत्नी रामदत्त ने पुलिस अधीक्षक बस्ती गोपाल कृष्ण चौधरी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि 14 अक्टूबर की शाम को मेरा बेटा जिभियांव चौराहे पर गया था। वहां पर कुछ लोग मेरे बेटे से सिगरेट की मांग किया। मना करने पर उन लोगों ने मेरे लड़के को जाति सूचक शब्द का प्रयोग करते हुए मारेपीटे। फोन करके अपने अन्य साथियों को भी बुला लिया। घटना की सूचना पर स्वयं प्रार्थिनी मौके पर पहुंची और उन लोगों से हाथ जोड़कर विनती करने लगी कि मेरे लड़के को छोड़ दीजिए। लेकिन वे लोग नहीं माने और उसे अपमानित करते हुए काफी मारे। इस घटना से वह स्वयं को काफी अपमानित महसूस किया और अवसाद में चला गया। जिसके कारण उसी रात करीब आठ बजे कमरे के अंदर जाकर पंखे से लटक कर अपनी जान दे दी। उन्होंने आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

पागल लंगूर का खौफ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुंडेरवा थानाक्षेत्र के ओड़वारा बाजार सहित कुर्थिया, बटेला और बनकसही गांव में पागल लंगूर का खौफ है। लंगूर के डर से छोटे बच्चों ने स्कूल जाना छोड़ दिया है। मार्निंग वॉक पर लोगों ने निकलना बंद कर दिया है। दुकानदार खौफ के कारण दुकान खोलने से बच रहे हैं। लोगों का कहना है कि लंगूर अचानक टूट पड़ता है। पंजे व दांत से काटकर लहुलुहान कर भाग जाता है। क्षेत्र के प्रधानों व ग्रामीणों ने मुंडेरवा पुलिस से लंगूर से बचाव के लिए गुहार लगाई है। लंगूर अब तक करीब ढाई दर्जन लोगों पर हमला कर घायल कर चुका है। डेढ़ दर्जन लोगों का जिला अस्ताल में भर्ती कराना पड़ा। लोगों ने बताया कि दो–तीन दिनों से बंदर ने सबका जीना हराम कर दिया है। चाय, पान, फल, सब्जी आदि की दुकानों पर काफी नुकसान कर चुका है। दुकानों के सामान उठाकर नीचे फेंक देता है। अगर कोई बचाव के लिए सामने आता है तो उस पर तेजी से हमला कर घायल कर देता है।

ग्राम प्रधान इरफान अहमद खान, ज्योति देवी, राजन चौधरी, ओमप्रकाश चौधरी ने वन विभाग व जिला प्रशासन से अपील किया है कि त्वरित कार्रवाई करते हुए बंदर को पकड़वाकर दूर छोड़वाया जाए। इस बाबत डीएफओ ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि बंदर पकड़ने वाली टीम से बात करके उसे पकड़वाने का प्रयास किया जा रहा है।

कुत्तों के काटने से हिरन की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।रविवार को कप्तानगंज रेंज के अंतर्गत लहिलवारा गाँव के सिवान मे वन्य जीव हिरन को कुत्तों ने काट कर घायल कर दिया जिससे कुछ देरी बाद मे वन्य जीव हिरन की मौत हो गई। वन विभाग के कप्तानगंज रेंज के अंतर्गत लहिलवारा गाँव के सिवान में अधिक मात्र मे गन्ने की फसल है। स्थानीय निवासी धर्मराज चौधरी ने बताया कि यहाँ आस पास में कहीं से काफी संख्या मे वन्य जीव हिरन आ गए है और ये शाकाहारी है जिससे धान, बरसीन आदि मुलायम हरी फसलों को काफी नुकसान भी पहुंचता है। धर्मराज चौधरी ने बताया कि आज एक वन्य जीव हिरन को पड़ोस के कौड़ीकोल गाँव के कुते हमला कर हिरन को घायल कर दिये जिससे हिरण की मौत हो गई।

नवजीवन दायिनी बन रही है काशीः पीएम मोदी ने किया शंकरा नेत्र अस्पताल का लोकार्पण

वाराणसी (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले आरजे शंकरा नेत्र अस्पताल का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने यहां आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इसके बाद वह कांची के शंकराचार्य से जाकर मिले। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संस्था से जुड़े लोगों के अनुसार, इस नेत्र अस्पताल से पूर्वी उत्तर प्रदेश के 20 जिलों के अलावा बिहार, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाकों के मरीजों को सुविधा देने का लक्ष्य रखा गया है। कांची मठ से संचालित यह देश में 14वां अस्पताल है। संस्था के लोगों के अनुसार यहां प्रतिवर्ष 30 हजार मरीजों की आंखों के निःशुल्क ऑपरेशन का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरजे शंकरा नेत्र अस्पताल के लोकार्पण के बाद आयोजित एक समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आरजे शंकरा नेत्र चिकित्सालय एक प्रकार से आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम है, जो बुजुर्गों की भी सेवा करेगा और बच्चों को भी नई रोशनी देगा।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा, 'मुझे परमपूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन का, प्रसाद पाने का और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। उनके आशीर्वाद से ही आज काशी को, पूर्वांचल को एक और आधुनिक अस्पताल मिला है। भगवान शंकर की नगरी में आरजे शंकरा नेत्र अस्पताल आज से जन जन के लिए समर्पित है। मैं काशी के, पूर्वांचल के सभी परिवारजनों को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि साथियों हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि 'तमसो मा ज्योतिर्गमय', यानि अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। यह अस्पताल वाराणसी और अनेक लोगों के जीवन से अंधकार दूर करेगा, उन्हें प्रकाश की ओर ले जाएगा।

पीएम ने कहा, 'आरजे शंकरा नेत्र अस्पताल वाराणसी और इस क्षेत्र के अनेकों लोगों के जीवन से अंधकार दूर करेगा, उन्हें प्रकाश की ओर ले जाएगा। ये अस्पताल बुजुर्गों की भी सेवा करेगा और बच्चों को भी रोशनी देगा। यहां बहुत बड़ी संख्या में गरीबों को मुफ्त इलाज मिलने वाला है। ये अस्पताल, यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लेकर आया है।' उन्होंने आगे ने कहा कि काशी की पहचान अनंतकाल से धर्म और संस्कृति की राजधानी के रूप में रही है। अब काशी, यूपी के, पूर्वांचल के बड़े आरोग्य केंद्र, हेल्थकेयर हब के रूप में भी विख्यात हो रहा है।पीएम मोदी ने कहा कि वाराणसी मेडिकल हब के रूप में उभर रहा है। बीएचयू में ट्रामा सेंटर, सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल, दीनदयाल अस्पताल, कबीरचौरा में सुविधाएं बढ़ाना हो, अनेक कार्य काशी में एक दशक में हुए हैं। बनारस में कैंसर के अस्पताल के लिए भी आधुनिक अस्पताल हैं। पहले इलाज के लिए मुंबई दिल्ली जाना होता था। अब यहीं पर इलाज हो जा रहा है। झारखंड बिहार से भी लोग यहां इलाज के लिए आ रहे हैं। काशी नवजीवन दायिनी भी बन रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि दस साल पहले दिमाग बुखार के लिए ब्लॉक स्तर पर उपचार के केंद्र तक नहीं थे। पहले की सरकार कुछ नहीं करती थीं। बीते दशक में काशी ही नहीं पूर्वांचल में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है। दस सालों में दस हजार से ज्यादा नए बेड जोड़े गए हैं। पांच हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। आज बीस से ज्यादा डायलसिस की सुविधा मिल रही है। हेल्थ केयर के प्रति पुरानी सोच को बदल दिया है।

दिल्ली में सीआरपीएफ स्कूल के पास विस्फोट से दहशत

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के रोहिणी इलाके में दहशत का माहौल है। वजह रविवार सुबह इलाके में हुआ तेज विस्फोट है। इलाके के लोगों ने बताया कि धमाके से पैदा हुए कंपन को सैकड़ों मीटर दूर घरों में बैठे लोगों ने महसूस किया। वहीं घटनास्थल के पास केमिकल जैसी गंध हवा में फैली हुई थी और चारो तरफ सफेद धुआं था। घटना पश्चिम विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के पास हुई है।

लोगों ने बताया कि इस धमाके की आवाज पटाखों के धमाकों की तरह नहीं थी। यह बेहद तेज थी। स्थानीय निवासी किरण सचदेवा ने बताया कि धमाके के अगले 15–20 मिनट तक चारो तरफ केवल धुंआ ही धुआं फैला हुआ था। 60 साल की सचदेवा ने बताया कि उनका घर धमाके से करीब 200–250 मीटर दूर है, विस्फोट के दौरान भूकंप जैसा झटका महसूस किया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटनास्थल पर सफेद पाउडर मिला है। हालांकि, धमाके की असली वजह अभी तक पता नहीं चली है। लेकिन दिल्ली पुलिस ने धमाके की असल वजह का पता लगाने के लिए एक्सपर्ट्स को बुलाया गया है। एंटी टेरर यूनिट और दिल्ली पुलिस मिलकर सीसीटीवी खंगालने में लगी हुई है। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि उसे सुबह 7.47 बजे एक जोरदार धमाका होने की सूचना मिली थी। बताया कि धमाका होने से स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त पाई गई और वहां दुर्गंध आ रही थी। प्रशांत विहार के थाना प्रभारी और अन्य कर्मी मौके मौजूद हैं। पास की दुकान और दुकान के पास खड़ी कार के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।' पुलिस ने बताया, 'अपराध शाखा की टीम, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) टीम और बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया है। घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। दमकल विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद है। पुलिस ने कहा कि वे विस्फोट के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

लोगों ने बताया कि इससे स्थानीय व्यवसाय प्रभावित हुआ है। विस्फोट के बाद से दमकल गाड़ियां, पुलिस टीम, बॉम स्क्वॉयड टीम, एनआईए और एनएसजी जैसे तमाम दलों की लगातार आवाजाही जारी है। अधिकारियों ने बताया है कि इस धमाके में किसी को कोई चोट नहीं आई है, लेकिन इससे स्कूल की दीवार, कुछ दुकानों और पास में खड़ी गाड़ियों को नुकसान हुआ है।

लोगों को चोटें नहीं आने की वजह सड़कों का शांत होना था, क्योंकि उस दौरान दुकानें और खोखे बंद थे। हालांकि इस धमाके में कांच की खिड़कियां और साइनबोर्ड टूट गए थे। एक दुकानदार हिमांशू कोहली ने बताया कि कि धमाके के बाद वो घटनास्थल की तरफ भागे और देखा कि वहां हवा में सफेद धुंआ फैला हुआ है। विस्फोट की जगह से केमिकल की तीखी गंध आ रही थी।

कोहली ने बताया कि कांच की खिड़कियां और साइन बोर्ड टूट चुके थे। मैं यह सब देखकर डर गया और वहां से भागकर अपनी दुकान आ गया। स्कूल जाने वाले बच्चों के माता–पिता हालांकि इस बात से राहत महसूस कर रहे हैं कि घटना रविवार के दिन हुई, लेकिन वे यह सोचने से खुदको नहीं रोक पाए कि आखिर क्या हुआ होगा। पश्चिम विहार की निवासी रीता सिंह ने बताया कि मेरा बेटा उस स्कूल में कक्षा नौ में पढ़ता है, मैं इस हादसे से काफी परेशान हूं।

अनीता सिंह ने बताया कि जब वह मंदिर से लौटी थीं तभी उन्होंने जोरदार धमाके की आवाज सुनी। मैंने अपने घर में भी झनझनाहट महसूस की। उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा लगा कि आस–पास कहीं किसी के घर गैस सिलेंडर फट गया है। उन्होंने बताया कि आमतौर पर रोजाना बच्चों की स्कूल बस इसी गेट पर आती है और हम लोग यहीं खड़े होते हैं। लेकिन आज छुट्टी का दिन था, इसलिए किसी को कोई शारीरिक नुकसान नही हुआ है।

विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं– योगी

लखनऊ (आभा)। सीएम योगी आदित्यनाथ रविवार को सिंचाई विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक में सख्त दिखे। उन्होंने कहा, विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। सीएम योगी ने विभाग को कार्यों की समयबद्धता, गुणवत्ता और कर्मचारियों की ट्रेनिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही, उन्होंने अगले वर्ष बाढ़ से बचाव की कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता पर भी जोर देते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं की समय पर पूर्णता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि देरी से न केवल लागत बढ़ती है बल्कि जनता को भी लाभ मिलने में देर होती है। इसलिए कार्यों की समयबद्धता प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिंचाई विभाग के कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें उचित प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नई तकनीकों का उपयोग कर कार्यों की गुणवत्ता और दक्षता में सुधार किया जा सकता है। ट्रेनिंग के माध्यम से कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया जाना चाहिए, ताकि बाढ़ नियंत्रण और जल प्रबंधन के कार्य प्रभावी ढंग से किए जा सकें।

करवाचौथ पर पूजन अर्चन के साथ पतियों के दीर्घायु की कामना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । सामाजिक सेवा संस्था चित्रांश क्लब महिला विंग की जिला संरक्षिका श्रीमती आभा सिंह, अनुपम पांडेय एवं जिला अध्यक्ष प्रतिमा सिंह, संगठन मंत्री मुन्नी सिंह एवं क्लब के सदस्यों ने करवा चौथ पर मनमोहक कार्यक्रम आयोजित किया। जिलाध्यक्ष ने देशभर की महिलाओं को करवा चौथ की शुभकामनायें व बधाइयां दिया। कहा करवा चौथ महिलाओं का सबसे बड़ा पर्व है।

इस अवसर पर महिलाओं ने भगवान शिव का पूजन अर्चन किया एवं भजन कीर्तन किया। जिला संयोजिका सरिता श्रीवास्तव एवं सदस्य कविता सरिता नीतू देवी, उपमा, गुड्डन पांडे, विभा श्रीवास्तव, निशा, किरन, स्वेता, अनु अलका, अंजू, रूबी, मीना, रिंकी सभी का सराहनीय सहयोग रहा। क्लब के संस्थापक अश्वनी श्रीवास्तव एवं जिलाध्यक्ष सत्येंद्र श्रीवास्तव ने कहा महिलायें शक्ति का केन्द्र हैं। महिलाओं का जितना सम्मान होगा समाज उतना ही संस्कारित और समृद्ध होगा। जिस समाज में महिलायें उपयोग की विषयवस्तु समझी जाती हैं वह समाज संस्कारविहीन हो जाता है। उन्होने सभी को करवाचौथ की शुभकामना देते हुये पतियों के सुदीर्घ जीवन की कामना किया।

पेड़ वाले बाबा गौहर अली ने पौधों की सेवा कर दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को समाजसेवी पर्यावरण प्रेमी पेड़ वाले बाबा गौहर अली ने पं. सुनील कुमार भट्ट और राहुल कुमार के साथ तहसील परिसर में लगाये गये पौधों की कटाई, छटाई, निराई गुडाई किया। पौधों की सेवा करने के बाद गौहर अली ने कहा कि ऐसा करके उन्हें सुकून मिलता है। बिना पेड़ पौधों के पशु से लेकर इंसान तक का जीवन असंभव है। कहा कि पेड़ जरूर लगाये लेकिन उनकी सेवा करते रहे। केवल फोटो खिचवाने की नीयत से पेड़ लगाने वाले भूल जाते हैं। पेड़ पौधों की सेवा से ही वे वृक्ष का आकार लेते हैं। बिना ट्री गार्ड के लगाये गये पौधे अक्सर नष्ट हो जाते हैं। बताया कि उनके द्वारा लगाये गये पौधे अब वृक्ष का आकार ले रहे हैं। पं. सुनील कुमार भट्ट ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण से मुक्ति तभी मिलेगी जब हम प्रकृति को मित्र बनाकर आगे बढ़े।

विश्व हिन्दू महासंघ बनकटी विकास खण्ड के पदाधिकारी घोषितः डिम्पल अध्यक्ष,भीमनाथ महामंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को विश्व हिन्दू महासंघ की बैठक बनकटी विकास खण्ड के निकट जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सांगठनिक विकास के साथ ही बनकटी ब्लाक के पदाधिकारियों का चयन किया गया। सर्व सम्मति से अजीत चौधरी संयोजक, डिम्पल चौधरी अध्यक्ष, भीमनाथ चौधरी महामंत्री, मेवालाल, सुरेन्द्र कुमार, राज बहादुर सिंह, वृजेश पाल, सोनू चौहान मंत्री, प्रदीप राजभर, अरविन्द चौधरी, अमित सिंह, विनोद यादव उपाध्यक्ष, अजित चौधरी सह संयोजक और विकास चौधरी प्रभारी बनाये गये।

बैठक को सम्बोधित करते हुये महासंघ के अधिवक्ता प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री कुलदीप मिश्र ने कहा कि पदाधिकारी महासंघ के नीति, नियम के अनुरूप हिन्दू समाज के हितों के लिये सृजनात्मक पहल करें ।

महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि महासंघ का सांगठनिक विकास चरणबद्ध ढंग से जारी है। अति शीघ्र रूधौली, सल्टौआ और राम नगर विकास खण्डों में बैठक कर पदाधिकारियों की घोषणा की जायेगी। कहा कि मजबूत संगठन से ही लक्ष्य हासिल होंगे।

बैठक में मुख्य रूप से सौरभ तिवारी, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, रूप नरायन गौड़, अंकित सिंह, राहुल श्रीवास्तव, अमरदीप श्रीवास्तव, प्रदीप राजभर, रवि राजभर, रामआशीष चौधरी, राहुल, अवनीश वर्मा, विजय शर्मा, महेन्द्रनाथ गुप्ता, फूलचन्द शर्मा, अभिषेक सिंह, जय सिंह, दीपक सिंह छोटू, अमन सिंह, सूरज सिंह, राहुल कुमार, मनीष कुमार, अनिल चौधरी के साथ ही महासंघ के अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

गौशालाओं की समस्याओं का निराकरण योगी सरकार की प्राथमिकता– महेश शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री महेश शुक्ल ने रविवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोवंश की रक्षा और इसके माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिये गंभीर है। इस दिशा में अति शीघ्र प्रभावी और व्यवहारिक कदम उठाये जायेंगे।

पत्रकारों द्वारा सरकार और निजी स्तर पर संचालित किये जा रहे गौशालाओं की दयनीय स्थिति, बरसात के दिनों में गौशालाओं में पानी भर जाने, पशु चारों के संकट और उनकी मौतों का सवाल पूंछे जाने पर महेश शुक्ल ने कहा कि जो सुझाव प्राप्त हुये हैं उसे गंभीरता से लेकर अति शीघ्र प्रदेश स्तर पर समस्याओं का समाधान कराया जायेगा। प्रशासनिक अधिकारियों से उन्होने यह भी अपेक्षा किया कि चारागाह की जमीनों को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाय।

–जमीनी स्तर पर गौशालाओं का होगा विकास

गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने कहा कि सब कुछ सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। गोसंरक्षण, गोपालन के लिये लोगों को स्वयं आगे आना होगा जिससे उनके परिजनों को शुद्ध दूध, दही, घी मिल सके। गौशालाओं को और अधिक समृद्ध बनाने, गोवंश सड़कों पर न घूमे इस दिशा में साझा प्रयास किये जायेंगे। कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वंय गोपालक हैं और वे जमीनी संकटों को समझते हैं।इन्ही समस्याओं के समाधान हेतु गोसेवा आयोग का गठन हुआ है। प्रयास होगा कि देश के प्रमुख गोशालाओं का भ्रमण कर उस अनुरूप बस्ती समेत अन्य जनपदों में गौशालाओं का विकास कराया जाय।

प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से विधायक अजय सिंह के प्रतिनिधि पं. सरोज मिश्र, राम चरन चौधरी, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष अशोक गुप्ता, रघुनाथ सिंह आदि उपस्थित रहे।

चरस, स्मैक, गाजा बिक्री की शिकायत किया तो पुलिस ने दर्ज करा दिया मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–डीआई.जी. एस.पी. से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती । गौर थाना क्षेत्र के नगर पंचायत वार्ड नं. 2 पटेल नगर के निवासी रामरतन उर्फ बुद्धू चौधरी ने पुलिस अधीक्षक और डीआईजी को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में रामरतन उर्फ बुद्धू चौधरी ने कहा है कि इन्द्रा पेट्रोल पम्प के आस पास गौर पुलिस के सहयोग से चरस, स्मैक, गाजा आदि की बिक्री करायी जाती है। उसका छोटा भाई राजू वर्मा भी नशे का शिकार है। उससे गत 8 सितम्बर 2024 को पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर चरस, स्मैक, गाजा आदि की बिक्री करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया था। उसके पत्र को गंभीरता से लिया गया और पुलिस ने प्रकाश विश्वकर्मा और पंकज पुत्र राम गोपाल का चालान कर दिया।

पत्र में रामरतन उर्फ बुद्धू चौधरी ने कहा है कि पुलिस द्वारा

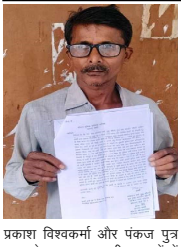

प्रकाश विश्वकर्मा और पंकज पुत्र राम गोपाल का मामूली धाराओं में ही चालान क्यों किया गया जब वह इसकी जानकारी करने बभनान पुलिस चौकी पहुंचा तो पुलिस वालों ने कहा कि 5 हजार रूपया दो वरना तुम्हें भी फर्जी मुकदमें में फंसाकर तबाह कर देंगे। रामरतन उर्फ बुद्धू ने भय बश पुलिसकर्मी राजेन्द्र यादव को 5 हजार रूपया भय बश दे दिया। पुलिस ने चरस, स्मैक, गाजा आदि की बिक्री मामले में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की जगह उसके नशेडी भाई राजू वर्मा को हथियार बनाकर उसके विरुद्ध बीएनएस की धारा 115 (2), 126 (2), 352, 315 (2) मारपीट, गाली गलौज का फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया जिससे वह चरस, स्मैक, गाजा आदि की बिक्री मामले में पुलिस की शिकायत न करे। रामरतन उर्फ बुद्धू चौधरी को भय है कि गौर पुलिस उसे किसी अन्य मामले में फंसाकर उसे और उसके परिवार का उत्पीड़न करा सकती है। उसने पूरे मामले की जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 अक्टूबर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

सबल बने शिक्षा

स्कूल के पहले दिन को याद करें– घबराहट, अनजाना माहौल, माता–पिता से आंसुओं के साथ विदा होना। साथ ही, एक नए दौर की प्रत्याशा। किसने सोचा था कि इन्हीं पांच वर्षों में जो हमने पढ़ना, लिखना और अंकगणित सीखा, उसी के कारण हमें सफलता मिलेगी। बुनियादी शिक्षा का सशक्त होना सबसे जरूरी है। इसी दिशा में दूरदर्शी सुधार है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जिसने साक्षरता व संख्यात्मकता को पूरी शिक्षा प्रणाली की नींव के रूप में स्थापित किया है। इस नीति के कारण निपुण भारत अभियान का जन्म हुआ, जिसका उद्देश्य 2027 तक हरेक बच्चे को तीसरी कक्षा से पहले निपुण बनाना है। इस अभियान ने राज्यों में शिक्षण से जुड़े लोगों को सशक्त बनाते हुए व्यवस्था में बदलाव के चार मुख्य सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

पहला सिद्धांत है, पूरी व्यवस्था को एक स्पष्ट लक्ष्य की ओर ले जाना। उस लक्ष्य को पाने के लिए इस सिद्धांत की शुरुआत शिक्षण मूल्यांकन से होती है, ताकि यह समझा जा सके कि हमारे बच्चों की शिक्षा किस स्तर पर है। जुलाई 2021 में निपुण भारत मिशन के शुभारंभ के तुरंत बाद नवंबर 2021 में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण हुआ। बुनियादी शिक्षा की तात्कालिकता को देखते हुए मध्य प्रदेश जैसे राज्यों ने 2022 में राज्य स्तर पर एक शिक्षा सर्वेक्षण आयोजित किया, जिसमें प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों के वर्तमान शिक्षा स्तर का मूल्यांकन किया गया। सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर मध्य प्रदेश ने अपने निपुण लक्ष्य निर्धारित किए। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन प्रेरणा की शुरुआत की और निपुण उत्तर प्रदेश का समर्थन किया। इससे पूरी व्यवस्था को नई ऊर्जा मिली।

दूसरा सिद्धांत है शिक्षण पद्धतियों को बेहतर बनाना। इस लक्ष्य को पाने के लिए अध्यापकों के पेशेवर विकास पर ध्यान देना जरूरी है। ऐसे दिशा–निर्देशों की पालना हुई, जिनसे कक्षाओं को अधिक आनंदमय व आकर्षक बनाया जा सके। शिक्षकों को प्रभावी रूप से प्रशिक्षित करने के लिए संसाधनों, प्रशिक्षक पैकेजों और विशेषज्ञता के साथ मास्टर प्रशिक्षकों को सशक्त बनाना जरूरी है।

तेलंगाना की अगर बात करें, तो इस मॉडल के चलते सिर्फ एक वर्ष में शिक्षण प्रभावशीलता में उल्लेखनीय 67 प्रतिशत सुधार हुआ है। ऐसे शिक्षा–प्रौद्योगिकी समाधान बन सकते हैं, जो शिक्षकों को कम समय में अधिक हासिल करने में मदद कर सकते हैं। शिक्षकों का कीमती समय बचा सकते हैं। गौर कीजिए, राजस्थान में एआई ग्रेडिंग सॉफ्टवेयर ने ग्रेडिंग के समय को दो घंटे से घटाकर केवल 20 सेकंड कर दिया है।

तीसरा, नियमित रूप से मूल्यांकन का उपयोग करके छात्रों के सीखने के नतीजों में सुधार करना। मिसाल के लिए, उत्तर प्रदेश में निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से 1,05,000 शिक्षकों को छात्रों के नियमित मूल्यांकन में मदद मिल रही है। अंतिम सिद्धांत है, छात्रों के माता–पिता और समुदायों को उनके बच्चों की शिक्षण यात्रा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना। बच्चे अपना 80 प्रतिशत समय घर पर बिताते हैं। ग्राम सभा और अभिभावक–शिक्षक सभा जैसे मौजूदा प्लेटफॉर्मों का उपयोग करने के अलावा, माता–पिता के साथ द्विभाषी संचार, उनके प्रशिक्षण के लिए कार्यशालाएं, घर के दौरे और सहकर्मी सहायता जैसे उपायों के माध्यम से इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। बिहार के कुछ जिलों में ग्राम सभाओं का लाभ उठाकर माता–पिता को उनके बच्चों की शिक्षा में मदद देने के तरीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया है। इसके चलते अभिभावक–शिक्षक बैठक में माता–पिता की उपस्थिति में 10–15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति में 5–10 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

ध्यान रहे, हमारे पास सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा के इन चार लक्ष्यों को पूरा करने के लिए केवल छह वर्ष हैं। आज पूरा विश्व भारत को वैश्विक विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मान रहा है। हमें अपनी बुनियादी शिक्षा को उत्कृष्ट बनाना ही होगा, तभी हमारे बच्चे विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंच पाएंगे।

एमएसपी की घोषणा, बाजार और किसान

- डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा-

बुवाई से पहले या बुवाई के समय फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि किसानों को कौन सी फसल लेना लाभकारी रहेगा इस पर सोच विचार कर निर्णय करने का अवसर मिल जाता है। पिछले कुछ सालों से केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ हो या रबी लगभग इनके बुवाई के समय ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी जाती है। इसे सरकार की सकारात्मक पहल भी कहा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छहों फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की माने तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 105 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 50 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रुप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। एमएसपी की घोषणा करते समय सरकार ने लागत में खाद–बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है।

देश में 1966–67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरें में लाया गया। कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। देश में गेहूं, धान आदि 7 अनाज फसलें, 5 दलहनी, 7 तिलहनी, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है।

केन्द्र सरकार द्वारा प्रमुखतः राज्यों में सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से एमएसपी की खरीद की जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में सहकारी संस्थाओं का विस्तृत और सीधे काश्तकारों की पहुंच का नेटवर्क है। अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और फिर खरीद के बाद ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से पारदर्शिता आई है। पर सवाल अभी वहीं है कि जब तक बाजार में खासतौर से मण्डियों में एमएसपी फसलों के भाव घोषित एमएसपी दरों के समकक्ष नहीं आते तब तक खरीद जारी रहने से ही काश्तकारों को सही मायने में इस व्यवस्था का फायदा मिल सकता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि पारदर्शी व्यवस्था में भी बिचौलियों ने सेंध लगा ली है और लाख प्रयासों के बावजूद छोटे किसानों को सब तो नहीं पर कुछ काश्तकारों को व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाता। इसमें व्यवस्था का दोष इस मायने में हैं कि किसान को अपनी तात्कालीक व आवश्यक जरुरतों को पूरा करने के लिए साहूकार पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसे में काश्तकार अपनी फसल काश्तकार के नाम कर उससे अग्रिम राषि ले लेता है और बदले में काश्तकार के दस्तावेज से बिचौलियें लाभ उठा लेते हैं।

यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारु संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फैडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा व तिलहनों और दलहनों की खरीद नैफड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत किया जाता रहा है। एक समय था जब न्यूनतम खरीद आरंभ होते ही मण्डी में भी भावों में तेजी आने लगती थी। पर अब ऐसा नहीं हो रहा है इसके कारण क्या है, इस पर विचार करना।

दरअसल बिचौलियों ने एमएसपी खरीद व्यवस्था में सेंध लगा दी है। किसान से ही खरीद और ऑनलाइन व्यवस्था के बावजूद इस व्यवस्था का लाभ बिचौलिएं अधिक उठाने लगे हैं। सवाल यह है कि केन्द्र व राज्य सरकारें एमएसपी व्यवस्था को फूलप्रुफ बनाना सुनिश्चित कर दे और सरकार द्वारा घोषित एमएसपी से मण्डियों में भाव नीचे जाते ही तत्काल खरीद आंरभ हो जाएं तो निश्चित रुप से अन्नदाता को इस व्यवस्था का पूरा पूरा लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही इस व्यवस्था में जिस तरह से सैंध लगाई गई है उसे रोकने के भी ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक है। कहीं ना कहीं एक बार फिर से बाजार व्यवस्था का भी अध्ययन करना होगा। क्यों खरीद बंद होने के कुछ समय बाद ही जिंसों के भाव बढ़ने लगते हैं। हाल ही में गेहूं के भावों में बढ़ोतरी और हर साल एक समय विशेष पर आलू, प्याज, टमाटर के भाव का बढ़ जाना कहीं ना कहीं यह बताता है कि कमोबेस बाजार ताकतें अधिक शक्तिशाली है और वे ही डोमिनेट करती है। इसलिए एक और जहां एमएसपी की खरीद व्यवस्था में सुधार व किसानों को ही वास्तविक लाभ मिले इसके प्रयास करने की आवश्यकता है उसी तरह से बाजार की ताकतों पर भी नजर रखना जरुरी हो जाता है ताकि एक और तो काश्तकार को ठगा महसूस करने से बचाया जा सके और आम नागरिक भी ठगा हुआ महसूस ना कर सके। कहीं ना कहीं बाजार पर सरकार के नियंत्रण की आवश्यकता है नाकि बाजारु ताकतों के हाथ में छोड़ने की। ऐसा होने पर ही सही मायने में एमएसपी व्यवस्था का लाभ मिल सकेगा।

विश्वयापी अस्थिरता में परमाणु स्थिरता के प्रश्न

—मनीष तिवारी—

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के सामने मौजूद समकालीन सैन्य स्थिति को देखते हुए रूस के परमाणु रुख को बेहतर बनाना एक आवश्यक अनिवार्यता थी। 2020 में प्रकाशित रूसी परमाणु सिद्धांत में उनकी टिप्पणियों को जोड़ते हुए व्यापक रूप से रिपोर्ट की गई कवरेज के अनुसार उन्होंने पुष्टि की कि हम देखते हैं कि आधुनिक सैन्य और राजनीतिक स्थिति गतिशील रूप से बदल रही है और हमें रूस और हमारे सहयोगियों के लिए सैन्य खतरों और जोखिमों के नए स्रोतों के उद्भव सहित इसे ध्यान में रखना चाहिए।

रूस के परमाणु सिद्धांत की अंतिम पुनरावृत्ति का शीर्षक परमाणु निवारण पर रूसी संघ की राज्य नीति के मूल सिद्धांत हैं। मॉस्को अकेला ऐसा देश नहीं है जो अपनी परमाणु शक्ति को संशोधित कर रहा है। इसके साथ ही पश्चिमी रणनीतिक हलकों में इस बात पर बहस चल रही है कि क्या इसराईल ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा हाल ही में इसराईल पर किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के मद्देनजर अभी तक अघोषित ईरानी परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने के लिए अपने राष्ट्रपति चुनाव में व्यस्त होने के कारण 'उपलब्ध' खिड़की का उपयोग कर रहा है।

फरवरी 2022 में रूस–यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से रूस ने समय–समय पर इस तथ्य का संकेत दिया है कि परमाणु विकल्प अभी भी मौजूद है। 25 सितंबर 2024 को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने रूसी संघ की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को बताया कि अगर किसी देश द्वारा पारंपरिक हथियारों के साथ भी उस पर हमला किया जाता है, तो रूस परमाणु हथियारों का उपयोग करने पर विचार करेगा। उन्होंने कहा कि अगर मास्को को उसके खिलाफ मिसाइलों, विमानों या ड्रोन के बड़े पैमाने पर लॉन्च की शुरुआत के बारे में 'विश्वसनीय जानकारी' मिलती है, तो रूस परमाणु हथियारों का उपयोग करने पर विचार करेगा। रूसी राष्ट्रपति ने एक चेतावनी दी कि रूस पर किसी अन्य देश के हमले का समर्थन करने वाली परमाणु शक्ति को आक्रमण में सहयोगी माना जाएगा। यह नाटो नेतृत्व के लिए एक बहुत ही स्पष्ट चेतावनी थी क्योंकि वे यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियारों के उपयोग की अनुमति देने से कतराते हैं, जो रूसी क्षेत्र में गहराई तक घुसने की क्षमता रखते हैं।

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के सामने मौजूद समकालीन सैन्य स्थिति को देखते हुए रूस के परमाणु रुख को बेहतर बनाना एक आवश्यक अनिवार्यता थी। 2020 में प्रकाशित रूसी परमाणु सिद्धांत में उनकी टिप्पणियों को जोड़ते हुए व्यापक रूप से रिपोर्ट की गई कवरेज के अनुसार उन्होंने पुष्टि की कि हम देखते हैं कि आधुनिक सैन्य और राजनीतिक स्थिति गतिशील रूप से बदल रही है और हमें रूस और हमारे सहयोगियों के लिए सैन्य खतरों और जोखिमों के नए स्रोतों के उद्भव सहित इसे ध्यान में रखना चाहिए। रूस के परमाणु सिद्धांत की अंतिम पुनरावृत्ति का शीर्षक परमाणु निवारण पर रूसी संघ की राज्य नीति के मूल सिद्धांत हैं। मॉस्को अकेला ऐसा देश नहीं है जो अपनी परमाणु शक्ति को संशोधित कर रहा है। इसके साथ ही पश्चिमी रणनीतिक हलकों में इस बात पर बहस चल रही है कि क्या इसराईल ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा हाल ही में इसराईल पर किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के मद्देनजर अभी तक अघोषित ईरानी परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने के लिए अपने राष्ट्रपति चुनाव में व्यस्त होने के कारण 'उपलब्ध' खिड़की का उपयोग कर रहा है।

विदेश नीति में लिखते हुए, अटलांटिक काउंसिल के स्कोक्रॉफ्ट सैंटर फॉर स्ट्रैटेजी एंड सिक्योरिटी के वरिष्ठ निदेशक मैथ्यू हेनरी क्रोनिग ने कहा कि वास्तव में, अब ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने का एक आदर्श अवसर है। देश के पास बम बनाने के लिए एक से 2 सप्ताह का समय बचा है। कोई नया परमाणु समझौता नहीं है। हमास और हिजबुल्लाह जवाबी कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं हैं। वास्तव में, तेहरान को बम से बचाने का यह आखिरी सबसे अच्छा मौका हो सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या इसराईल को ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर हमला करना चाहिए और आप ईरान के बारे में क्या सोचते हैं, क्या आप ईरान पर हमला करेंगे? तब उन्होंने कहा कि जब तक वे परमाणु हथियार पर हमला नहीं करते, यही वह चीज है जिस पर आप हमला करना चाहते हैं?

इसराईल निश्चित रूप से रणनीतिक चुप्पी बनाए रखता है क्योंकि वह अपने जवाबी विकल्पों पर विचार करता है। ईरान की परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाना कम से कम कहने के लिए एक खतरनाक रास्ता है। इतनी आग और रोष के बावजूद रणनीतिक मामलों का कोई भी विवेकशील छात्र इस गलत धारणा के तहत नहीं रह सकता कि अगर इसराईल ईरान के मुकुट रत्नों पर हमला करता है तो 'अनियंत्रित और शायद बेकाबू' वृद्धि होगी। इसलिए सवाल यह है कि रणनीतिक अस्थिरता के इस दौर में परमाणु स्थिरता कैसे बनाए रखी जाए, जबकि 3 महाद्वीपों में एक साथ 3 संघर्ष चल रहे हैं– रूस बनाम यूक्रेन, इसराईल बनाम हमासध हिजबुल्लाहध हुतीध्अन्य प्रॉक्सीध्और ईरान। उत्तर एशिया में अस्थिर उत्तर कोरियाई शासन 'एन' शब्द का बार–बार इस्तेमाल करता रहता है और चीन का शांतिपूर्ण उदय नहीं हो रहा है, जैसा कि उत्तर, दक्षिण पूर्व और दक्षिण एशिया में चिरस्थायी तनाव से स्पष्ट है। इसकी अपनी परमाणु गतिशीलता है।

माओत्से तुंग के नेतृत्व में चीन में कम्युनिस्ट क्रांति के नेताओं का यह विचार था कि परमाणु निवारक बनाने का उद्देश्य चीन के 'मूल' हितों की रक्षा करना था। 1964 में अपने पहले परमाणु परीक्षण के बाद के दशकों में चीन ने एक अडिग परमाणु रुख अपनाया, जिसका आधार तत्कालीन सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमरीका के साथ एक असीमित परमाणु स्थिरता प्राप्त करना था। इसी समय संयुक्त राज्य अमरीका ने भी चुपचाप अपने परमाणु दिशा–निर्देशों में संशोधन किया है। अमरीकी राष्ट्रपति ने परमाणु रोजगार मार्गदर्शन नामक एक संशोधित दृष्टिकोण को मंजूरी दी थी, जो अब चीन, रूस और उत्तर कोरिया से एक साथ संभावित परमाणु चुनौती का सामना करने के लिए अमरीकी परमाणु धर्मशास्त्र को फिर से मापने की योजना बना रहा है। यह हमारे समय की अस्तित्वगत चुनौती है। रणनीतिक अस्थिरता के माहौल में परमाणु स्थिरता कैसे बनाए रखें? (लेखक वकील, सांसद एवं पूर्व मंत्री हैं)

गरीब कैदियों की रिहाई का सवाल

—अकु श्रीवास्तव—

जेलों में बंद गरीब और जरुरतमंद लोगों को निःशुल्क और अच्छी कानूनी सहायता देने के लिए संसद ने 1987 में कानून बनाया था। उसके अनुसार राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) का गठन किया गया। इसके अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के जज होते हैं। राज्यों और जिला स्तर पर भी विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस दीपंकर दत्ता ने कहा कि 10 साल पहले कोलकाता में नालसा ने फंड की कमी की वजह से गरीब वादी की मदद मुहैया कराने में असमर्थता व्यक्त की थी। लेकिन अब नालसा के पास जजों की आवभगत के लिए भी पर्याप्त पैसे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी मैं नालसा के किसी समारोह में जाता हूं तो सोचने को मजबूर हो जाता हूं कि नालसा के पास इतना पैसा कहां से आ रहा है। क्या विधिक सेवा प्राधिकरण का असल उद्देश्य यही है? क्या ऐसे ही मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की जा सकती है? देश की प्रथम नागरिक महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बढ़ती जेलों और कैदियों के प्रति बहुत संजीदा हैं। राष्ट्रपति के आदेश से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति होती है।

राष्ट्रपति ने इस बारे में जजों के सामने कई बार चिंता जाहिर की है लेकिन सार्थक परिणाम सामने नहीं आ रहे। उन्होंने कहा कि कैदियों की बढ़ती संख्या से निपटने के लिए जेलों में क्षमता से 30 फीसदी ज्यादा कैदी भरे हुए हैं। उनमें से 75 फीसदी विचाराधीन कैदी हैं। लोगों को लगता है कि ये पुलिस की ज्यादती के शिकार हैं, लेकिन ये सभी कैदी अदालत के आदेश से जेलों में बंद हैं। आपराधिक मामलों में पुलिस और सरकार अभियोजन पक्ष की तरफ से मुकद्दमें लड़ती है। कई लोगों को गलत तरीके से गिरफ्तार करने के बाद उन्हें बेवजह जेल में रखा जाता है।

ऐसे विचाराधीन कैदियों की रिहाई के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने अनेक आदेश पारित किए हैं। लेकिन जेलों की बंद कोठरी में संविधान के प्रावधानों और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की गूंज नहीं पहुंच पाती। कैदियों की गिरफ्तारी, जेलों में उन पर भारी खर्च और रिहाई के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण का सफेद हाथी, सब कुछ है लेकिन बात आगे नहीं बढ़ पाती। यह अजब त्रिकोण है कि सरकारी खर्चे से ही पुलिस, जेल और नालसा की गाड़ी चल रही है। सैंटर फॉर एकाऊंटेबिलिटी एंड सिस्टेमिक चेंज (सी.ए.एस.सी.) ने इस दिशा में बड़ी शुरूआत की है। उनके प्रोजेक्ट से रिटायर्ड जज, आई.पी.एस. और आई.ए.एस. के साथ अनेक वकील और युवा छात्र जुड़े हैं। मैं इस बात से हैरान हूं कि साल 2022 से कैदियों के सम्पूर्ण विवरण का डाटा उपलब्ध नहीं है।

गृहमंत्री अमित शाह ने नए आपराधिक कानूनों में जल्द न्याय का आश्वासन दिया है। छोटे अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा का भी प्रावधान है। लेकिन अदालतों में पुराने मुकद्दमों का बोझ अगर खत्म नहीं होगा तो फिर नए मुकद्दमों का जल्द निपटारा कैसे होगा? केन्द्र सरकार ने युवाओं की इंटर्नशिप के लिए राष्ट्रीय योजना बनाई है। देश के सभी राज्यों में 1400 जेलों में बंद 5 लाख से ज्यादा कैदियों का नवीनतम विवरण उपलब्ध हो जाए तो इस दीवाली से जेलों की सफाई का प्रोजैक्ट भी शुरू हो सकता है। जब देश में 5 करोड़ से ज्यादा मुकद्दमे लंबित हों तो इस समय सबसे बड़ी जरूरत यही है कि मुकद्दमों की संख्या कम की जाए और जो फालतू में या गैर जरूरी मुकद्दमे चल रहे हैं उनको खत्म करने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाए जाएं।

इसका एक तरीका यह भी हो सकता है कि छोटे मामले जिसमें जेबकतरी, राहजनी, छोटी चोरियां, अवमानना के मामले हों, उनको एक साथ खत्म किया जाए और इसके लिए अगर किसी केंद्रीय स्तर पर अध्यादेश की जरूरत हो तो वह भी लाया जाए। उधर कैदियों की रिहाई के राष्ट्रीय अभियान में युवा छात्रों की इंटर्नशिप और ट्रेनिंग सर्टीफिकेट देने के लिए सैंकड़ों अच्छे वकीलों ने सहमति दी है। भ्रष्टाचार के आरोपों में जेलों में बंद अनेक नेताओं को बड़े वकीलों की बहस के बाद बेल मिल जाती है। गरीब और जरूतमंद कैदियों की रिहाई के लिए भी बड़े वकीलों को सहयोग करना चाहिए। यह बात अभी तक चाहिए शब्द तक ही सीमित है, जबकि बहुत सारे बड़े वकीलों को सामने आना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार बेल बांड नहीं दे पा रहे गरीब कैदियों की रिहाई होनी चाहिए।

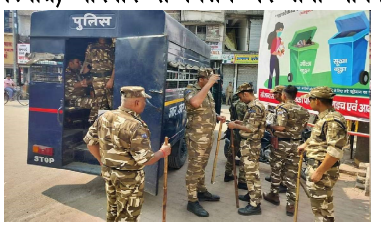

बहराइच हिंसाः मृतक रामगोपाल के घर नजरबंदी जैसी स्थिति, परिवार से मिलने पर लगी पाबंदी, मीडिया हुई बैन

संवाददाता–बहराइच। महराजगंज कस्बे में विसर्जन जुलूस के दौरान हुई पत्थरबाजी व रेहुवा निवासी रामगोपाल मिश्रा की गोली मार कर हत्या के बाद से रेहुवा मंसूर गांव के ग्रामीणों की दिनचर्या बदल गई है। गांव जाने वाले चारों रास्तों पर पुलिस ने बैरिकेटिंग कर मार्ग बंद कर दिया है। वहीं सभी बैरिकेटिंग पर भारी मात्रा में पुलिस तैनात है। यही नहीं रेहुवा गांव में भी जगह–जगह व मृतक रामगोपाल के घर भी भारी फोर्स तैनात है और बाहरी लोगों को जाने नहीं दिया जा रहा है। जिससे परिवार के नजरबंद जैसी स्थिति में जीने को मजबूर है। मृतक रामगोपाल मिश्रा के गांव रेहुवा मंसूर जाने के लिए चार रास्ते हैं, जिनसे सुविधानुसार ग्रामीण आवागमन करते हैं। लेकिन घटना के बाद से पुलिस ने चारो रास्तें खर्चहा चौराहा, सोतिया भट्ठा, महेशपुरवा व रेहुवा मोड़ पर बांस–बल्ली से बैरिकेटिंग की है। वहीं बैरिकेड को 24 घंटे बंद रखा जाता है।

रेहुवा मंसूर गांव जाने के लिए ग्रामीणों को बैरिकेटिंग पर तैनात पुलिस कर्मी रोक रहे हैं और उनके आधार कार्ड की मांग की जा रही है। आधार व पहचान साबित करने के बाद ही ग्रामीणों को प्रवेश दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों की दिनचर्या प्रभावित है और लोग परेशान हैं। ग्रामीणो का आरोप है कि उन्हें दिन में कई बार जरुरी कार्यो के लिए घर से निकलना होता है। लेकिन कड़ी पूंछतांछ के चलते हम लोग कम निकल रहे। खर्चहा चौराहे पर तैनात उपनिरीक्षक महेन्द्र सिंह से बैरिकेटिंग व ग्रामीणों को हो रही परेशानी पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि सिर्फ मीडिया कर्मियों व राजनेताओं के गांव जाने पर रोक है। सामान्य ग्रामीणों को नहीं रोका जा रहा।

मृतक रामगोपाल मिश्रा की मौत और पुलिसिया कार्रवाई के बाद मृतक की पत्नी रोली मिश्रा ने असंतोष जाहिर करते हुए बयान दिया था। वहीं मृतक के पिता ने भी असंतुष्टि दिखाई थी। जो प्रदेश भर में चर्चा का विषय बन गया था। जिसके बाद परिवार पर पहरा बढ़ गया है। ग्रामीणों का आरोप है, कि परिवार नजरबंदी जैसे हालात में जीने को विवश है। बाहर तैनात पुलिस कर्मी सामान्य ग्रामीणों को भी परिवार से मिलने नहीं दे रहे हैं।

एक और तेंदुआ आया गिरफ्त में, 22 दिन में सातवां तेंदुए पकड़े गये

संवाददाता–बहराइच। बहराइच जिले के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के ककरहा वन रेंज के धर्मपुर बेझा गांव के पास शनिवार की देर रात लगभग 3 बजे एक तेंदुआ पिंजरे के कैद हुआ। सूचना पर पहुंचे वन कर्मी स्वास्थ्य परीक्षण के लिए उसे रेंज कार्यालय ले गए है। ये कतर्नियाघाट वन्य क्षेत्र में 22 दिन में पकड़ा गया सातवां तेंदुआ है। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में तेंदुओं का आतंक लगातार जारी है। तेंदुए जंगल से निकल कर आबादी क्षेत्र में देखे जा रहे है, जिससे डर का माहौल है। हालांकि डर और दहशत के बीच तेंदुओं के पकड़े जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। शनिवार की देर रात धर्मपुर बेझा गांव में पिंजरे में बंधी बकरी के शिकार के चक्कर में एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। वन दरोगा अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि गोकुलपुर बीट में पकड़िया गांव में एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हुआ है। पकड़े गए तेंदुए को जांच के लिए रेंज कार्यालय ले जाया गया है। बहराइच में पकड़े गए सभी तेंदुए सिर्फ जानवरों पर ही हमला कर रहे थे। गनीमत यह थी कि वह आदमखोर नहीं हुए थे। तेंदुओं के साथ इस जिले में बीते कई महीनों से भेड़ियों का भी कहर व्याप्त है।

बसपा में अच्छा पद दिलाने के नाम पर श्रवण लेता था मोटी रकम

संवाददाता–महराजगंज। आंबेडकर जनमोर्चा के संयोजक और पूर्व बीएसपी नेता श्रवण कुमार निराला पर बीएसपी के पूर्व नेताओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि श्रवण ने बसपा में गोरखपुर मंडल के मुख्य जोनल कोऑर्डिनेटर के रूप में संगठन का कार्य करते हुए पद दिलाने के नाम पर मोटी रकम वसूला था। महराजगंज के महेंद्र कुमार चौधरी ने आरोप लगाया कि बसपा के एक बड़े नेता के साथ उनकी मुलाकात श्रवण कुमार निराला से गोरखपुर में हुई थी। उस दौरान वह बोला कि आप क्यों परेशान हैं, पार्टी में अच्छा पद दिला देंगे, जब आप खुद बड़े पदाधिकारी बन जाएंगे तो अगली बार विधानसभा 2022 के चुनाव में टिकट का वितरण करिएगा, जिससे कम दिनों में जल्द प्रदेश स्तर पर पहुंच जाएंगे।

वहीं धर्मेंद्र भारती का आरोप है कि जिलाध्यक्ष बनाने के लिए श्रवण ने मुझसे एक लाख रुपये लिया था। काफी समय बीतने के बाद पद नहीं मिला तो हमने रकम की मांग की तो वह बोला कि जिंदगी अभी खत्म नहीं हुई। संगठन में ऐसे मुकाम पर पहुंचा दूंगा कि फिर आपके पास लग्जरी गाड़ियां होंगी।

पन्ने लाल का आरोप है कि जिला प्रभारी पद के लिए उसने मुझसे दो बार में 70 हजार रुपये ले लिया था। जब हमें पद नहीं मिला तो हमने मंडल स्तर की बैठक में शिकायत की, लेकिन बीएसपी में बड़े ओहदे पर रहने के कारण श्रवण कुमार निराला का कुछ नहीं हुआ। पार्टी में मुझे काम करना था। इसलिए हमने कहीं शिकायत नहीं की।

अश्विनी का आरोप है कि विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए हमने उसे 40 हजार रुपये दिया था, लेकिन मुझे पद नहीं मिला। दिए गए रकम की मांग करने पर आनाकानी करने लगा। अगली बार बड़े पद की जिम्मेदारी की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया था। अरविंद कुमार का आरोप है कि जिला कोषाध्यक्ष बनाने के लिए उसने मुझसे 50 हजार ले लिया था। काफी वक्त बीतने के बाद कोई पद नहीं मिला तो हमने कहा कि मंडल की बैठक में बड़े पदाधिकारियों के समक्ष इसकी शिकायत करेंगे। उस दौरान उसने मुझे 30 हजार रुपये लौटा दिया था। बाकी रकम अभी तक नहीं दिया। इसके अलावा बसपा के पूर्व नेताओं ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वर्ष 2017 में विधानसभा का प्रत्याशी घोषित करवाने के नाम पर तमाम लोगों से अच्छी खासी रकम लिया था।

रंजिश में पीटने का आरोप, एक महिला समेत तीन पर मुकदमा

संवाददाता–महराजगंज। सिन्दुरिया क्षेत्र के पिपरा बाजार निवासिनी सोनमती ने गांव के ही तीन लोगों पर अकेला पाकर घर में घुसकर पीटने का आरोप लगाया है। पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि विपक्षियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। शोर सुनकर पड़ोसी आए और मामले को शांत कराया। एसओ अखिलेश कुमार वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुराली, दिनेश व किस्मती के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

कोटेदार के खिलाफ लामबंद ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। मिठौरा ब्लाक के नाथनगर गांव के ग्रामीण अपने कोटेदार के खिलाफ लामबंद हो गए हैं। नियमानुसार राशन न देने और विरोध करने पर विवाद करने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने कोटेदार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों से जांच कराकर कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने कोटेदार पर आरोप लगाया कि राशन वितरण में घटतौली की जाती है और कुछ लोगों को राशन भी नहीं दिया जाता है। विरोध करने पर कोटेदार मारपीट पर उतारू हो जाता है। गांव वालों ने मामले की जांच कर कोटेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शोभा, जयबुन निशा, श्रीकांत, जंत्री, गुड्डू, राबड़ी, शाहजहां, मालती, सीमा, माला, अतिउल्लाह, फूलचंद, उषा, महेश, साजिदा, अदालत, मरजादी, मोहम्मद, नाजिर खान आदि ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि हर कार्डधारक को पूरे वजन का राशन नहीं मिलता है। तौल के लिए लगाये गए इलेक्ट्रॉनिक काटा पर राशन तौल के समय गड़बड़ी करने का भी आरोप ग्रामीणों ने लगाया।

जब इसका विरोध किया जाता है तो बाल्टी से राशन तौलकर दिया जाता है। या तो राशन न देने की धमकी दिया जाती है। इस संबंध में डीएसओ एपी सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय बार्डर पर सात लाख नेपाली करेंसी के साथ दो धराए

संवाददाता–महराजगंज। भारत–नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा के करीब सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने जांच के दौरान दो बाइक सवार युवकों के पास से कुल सात लाख नेपाली मुद्रा बरामद किया है। इसमें से एक आरोपित नेपाल के नवलपरासी जिला व दूसरा गुड़गांव के फेस–2 सूरतनगर का निवासी है। पूछताछ के बाद एसएसबी जवानों ने दोनों आरोपितों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए ठूठीबारी कस्टम को सौंप दिया। इस मामले में कस्टम विभाग ने दोनों आरोपितों के खिलाफ कस्टम अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। आगामी दिवाली व छठ पर्व को लेकर सरहद की सुरक्षा के लिए एसएसबी जवान ठूठीबारी क्षेत्र के मरचहवा रोड पर नेपाल आने–जाने वाले यात्रियों की जांच कर रहे थे। उसी दौरान एसएसबी जवानों को मुखबिर से सूचना मिली कि दो बाइक सवार युवक विदेशी मुद्रा लेकर नेपाल की तरफ जाने वाले हैं। इस सूचना पर एसएसबी ने गहन जांच शुरू कर दी। कुछ ही देर में एक नेपाली व दूसरे भारतीय नंबर की बाइक से दो युवक आते हुए दिखाई दिए। एसएसबी जवानों ने दोनों को रोक कर तलाशी ली। इस दौरान दोनों के पास से अलग–अलग कुल सात लाख नेपाली करेंसी बरामद हुई। युवक भारतीय सीमा में बरामद नेपाली करेंसी को लेकर कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। पूछताछ व सीजर के बाद एसएसबी जवानों ने अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए दोनों आरोपितों को बरामद नेपाली करेंसी के साथ ठूठीबारी कस्टम विभाग को सुपुर्द कर दिया। पूछताछ में एक ने अपना नाम सुजीत कुमार बधाल (26) बताया। वह नेपाल के नवलपरासी जिला के रामग्राम सुनरी का निवासी है। दूसरा आरोपित जनक बस्याल (24) गुड़गांव फेस–2 सूरत नगर का रहने वाला है।

सतीश यादव, कस्टम इंस्पेक्टर ने कहा कि भारत–नेपाल सीमा के करीब एसएसबी जवानों ने दो बाइक सवार युवकों के पास से कुल सात लाख रुपया नेपाली मुद्रा बरामद किया है। इनमें से एक नेपाल के नवलपरासी जिला व दूसरा गुड़गांव के फेस–2 सूरतनगर का निवासी है। दोनों आरोपितों के खिलाफ कस्टम अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की गई है। यह पता लगाया जा रहा है कि नेपाली मुद्रा दोनों के पास कहां से आई?

योग से शरीर स्वस्थ व मन शांत रहता है -एसपी

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस लाइन में रविवार सुबह योग शिविर का आयोजन किया गया। एसपी घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को योगाभ्यास कराया गया। योग शिविर का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना रहा। योगी सोमनाथ, डा. दीनानाथ पटेल शिविर का नेतृत्व किया। योगी सोमनाथ ने योग के विभिन्न आसनों व प्राणायाम का महत्व समझाया। साथ ही सभी को योगाभ्यास कराया।

उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है बल्कि मन को शांति व संतुलन प्रदान करता है। पुलिसकर्मियों की व्यस्त जीवनशैली में योग बेहद आवश्यक है। डा. दीनानाथ पटेल ने योग के चिकित्सीय लाभों की जानकारी दी और सभी पुलिसकर्मियों को नियमित रूप से योगाभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। योग शिविर समापन के बाद पर्यावरण संरक्षण के लिए पुलिस लाइन परिसर में पौधरोपण किया गया।

इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, क्षेत्राधिकारी यातायात आलोक कुमार सिंह, प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार आदि अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सिद्ध पीठ लक्ष्मण किला और श्री हनुमत हरिनाम सदन में मनाई गई शरद पूर्णिमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। मां सरयू के पावन तट पर विराजमान प्रतिष्ठित पीठ श्री लक्ष्मण किला में किलाधीश महंत मैथिलीरमण शरण महाराज के सानिध्य और अधिकारी सूर्यप्रकाश शरण महाराज के संयोजन में शरद पूर्णिमा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ठाकुर जी को शरद पूर्णिमा की चांदनी मंदिर के आंगन में निकाल गया, खीर प्रसाद का भोग वह भोग सभी में वितरण किया गया। सूर्य प्रकाश शरण महाराज ने बताया कि शरद पूर्णिमा की रात्रि में चंद्रमा भगवान के चांदनी से अमृत की वर्षा होती है और गाय के दूध में खीर बनाकर चंद्रमा के समक्ष रखा जाता है चांदनी से खीर में अमृत की वर्षा होती है वह अमृत निरोगी होता है जो भी व्यक्ति उसे प्रसाद को ग्रहण करता है उसके सभी कष्ट का निवारण हो जाता है। यह परंपरा सनातन धर्म में सदियों से चली आ रही है और आगे भी चलती रहेगी क्योंकि इसका फल सभी को प्राप्त होता है। वहीं स्वर्गद्वारा स्थित श्री हनुमान हरिनाम सदन में मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रामलोचन शरण महाराज के सानिध्य में शरद पूर्णिमा मनाया गया भगवान को खीर प्रसादका भोग और भक्तों द्वार इस उत्सव पर ठाकुरजी को भजन रिझाया गया। महंत रामलोचन शरण महाराज ने बताया कि जीवन में आनंद, उत्सव और राग की प्रतीक है शरद पूर्णिमा। और ये सब जीवन में तभी आते हैं, जब आप निरोगी हों। शरद पूर्णिमा हमें स्वस्थ और निरोग रखने का दिन है। इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है। अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है और उसकी किरणों से अमृत बरसता है। इसलिए मंदिर और घरों में लोग इस रात्रि को खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखते हैं, ताकि उसमें चंद्रमा की सुधामयी किरणों का प्रभाव आ जाए। ठाकुरजी को खीर प्रसाद का भोग लगाया गया सभी भक्तों में वितरित किया गया जिससे सभी को इसका फल प्राप्त हो।

अवैध खनन रोकने पहुंचे खनन अधिकारी से हाथापाई, जान बचाकर भागे

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा क्षेत्र के ग्राम अनंतपुर मोथही के राजी टोला के पास रोहिन नदी के बंधे के किनारे से मिट्टी खनन की सूचना पर पहुंचे खनन अधिकारी से अवैध खनन कर रहे लोग भिड़ गए। मिट्टी से लदी ट्रैक्टर–ट्राली लेकर आ रहे खनन अधिकारी को खनन करने वालों ने जबरन रोक लिया। उनके साथ हाथापाई की। किसी तरह खनन अधिकारी अपनी जान बचाकर वहां से भागे। इस मामले में एक्शन लेते हुए पुलिस ने मिट्टी लदी दो ट्रैक्टर–ट्रालियों को अपने कब्जे में ले लिया है और तीन नामजद व अन्य आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अनंतपुर मोथही के राजी टोला के पास बंधे के किनारे रोहिन नदी के तट के पास अवैध मिट्टी खनन की शिकायत कई दिनों से हो रही थी। अवैध खनन की सूचना पर इसे रोकने के लिए खनन अधिकारी अतीत कुमार मौके पर पहुंचे। ट्रैक्टर–ट्रालियों से अवैध खनन होता देख उन्होंने वहां वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया। वाहनों को अग्रिम कार्रवाई के लिए वे थाने पर लाने लगे कि कुछ लोग वहां पहुंचे। खनन अधिकारी को रोककर उनसे हाथापाई शुरू कर दी। गाड़ियों को छोड़ने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। इस दौरान कुछ लोग ट्रैक्टर मय लोडर वहां से भाग निकले। वहीं, इस घटना में जान बचाकर किसी तरह खनन अधिकारी वहां से भागे। इससे मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया था। खनन अधिकारी अतीत कुमार की तहरीर के अनुसार अवैध खनन की सूचना पर वे रोहिन नदी के बंधे के पास पहुंचे। वहां अवैध खनन कर रहे गाड़ियों को कब्जे में लेकर थाने आ रहे थे कि गांव निवासी तीन लोग कुछ अन्य लोगों के साथ पहुंचे। वहां दबंगई कर गाड़ियों को छोड़ने का दबाव बनाने लगे। मना करने पर गाली–गलौच करते हुए हाथापाई कर उतर गए।

कुछ लोग ट्रैक्टर मय लोडर वहां से निकल गए और वे किसी तरह जान बचाकर भागे। नर्भय कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि खनन अधिकारी की तहरीर पर रामकरन यादव, सोनू सिंह, अजीत यादव व अन्य अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दो ट्रैक्टर–ट्राली को कब्जे में लिया गया है। इस मामले में पुलिस कार्रवाई कर रही है।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने पूछताछ के बाद अनुराग को छोड़ा

संवाददाता–बहराइच। मुंबई ईस्ट में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुंबई क्राइम ब्रांच कैसरगंज के गंडारा गांव से ले गई धर्मराज कश्यप के बड़े भाई अनुराग को पूछताछ के बाद छोड़ दिया है। वह शनिवार की देर रात गांव पहुंचा। रविवार सुबह लोगों को इसकी भनक लगी। अनुराग ने अब मीडिया से दूरी बना ली है। भारत– नेपाल सरहद के दोनों ओर लारेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों व बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में फरार कैसरगंज के गंडारा गांव निवासी शिवा गौतम की तलाश में मुंबई क्राइम ब्रांच व अन्य एजेंसियों ने दस्तक दे थी। इस मामले में गिरफ्तार गंडारा निवासी धर्मराज कश्यप के बड़े भाई अनुराग व उसके चचेरे भाई हरीश कश्यप को मुंबई क्राइम ब्रांच पूछताछ को ले गई थी। हरीश को तो फंडिंग के तथ्य मिलने पर जेल भेज दिया गया था, जबकि अनुराग कश्यप से गहन पूछताछ की जा रही थी। गुरुवार को क्राइम ब्रांच ने उसे इस आश्वासन पर छोड़ दिया, कि फिर जरूरत पड़ने पर उसे तलब किया जाएगा। रविवार को मीडिया कर्मियों ने उससे सम्पर्क करने की कोशिश की। उसने मीडिया से कन्नी काट ली है।

मुंबई कारागार में निरुद्ध बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में गिरफ्तार धर्मराज, दूसरे बेटे अनुराग को पूछताछ को ले जाए जाने से उसकी मां कुसुमा की लो ब्लड प्रेशर से हालत बिगड़ गई है। पूना में मजदूरी कर रहे अन्य परिजनों के गांव वापसी के आसार दिखाई दे रहे हैं।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष भिड़े, हवाई फायरिंग का आरोप

संवाददाता–गोण्डा। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के गॉव महादेवा के मजरा पिपरी सागर में पुरानी रंजिश को लेकर रविवार को दो पक्ष फिर आमने–सामने आ गए। दोनो ओर से ईट गुम्मे भी चले। स्थानीय लोगों के मुताबिक हवाई फायरिंग भी की गई है।

हालांकि, पुलिस इससे इनकार कर रही है। पुलिस ने दोनों पक्षों का शांतिभंग में तहत चालान कर दिया है। सालपुर पुलिस चौकी इन्चार्ज राम प्रकाश चंद्र ने बताया कि ग्राम पंचायत महादेवा के पपरी सागर में रहने वाले केदारनाथ व लक्ष्मी प्रसाद के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। बीते रविवार को दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हुई थी। जिस पर पुलिस ने नौ लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। रविवार को फिर दोनो पक्ष आमने–सामने आ गए। ईट गुम्मे चले हैं। किसी को कोई खास चोट नहीं आई है। दोनों पक्षों से 10 लोगों का चालान किया गया है। देहात कोतवाल डीके श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ड्रोन कैमरे से होगी पराली जलाने वालों की निगरानी, दर्ज होगा मुकदमा

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में धान फसल पक कर तैयार हो गई है। किसान फसल काटने के बाद खेत में पराली न जलाएं, इसके लिए कृषि विभाग सख्त हो गया है। कृषि विभाग ड्रोन कैमरे से खेतों की निगरानी कराएगा। यदि कोई किसान खेत में पराली जलाता पाया गया तो उस पर एफआईआर कराने के साथ ही जुर्माना लगाया जाएगा। जिले में पराली जलाने की घटनाएं हर साल होती हैं। किसान धान की फसल काटने के बाद अवशेष को खेत में जला देते हैं। इससे न सिर्फ पर्यावरण प्रदूषण होता है बल्कि श्वास व दमा के मरीजों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कृषि विभाग ड्रोन कैमरे से खेतों की निगरानी कराएगा। इसके लिए सभी ब्लॉकों के सहायक विकास अधिकारी कृषि को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उप निदेशक कृषि नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम के तहत फसल अवशेष जलाना दंडनीय अपराध है। खेतों में फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए जिला स्तर पर एक समिति भी बनाई गई है। जो पराली प्रबंधन पर काम करेगी। पराली जलाने की घटनाओं को कैद करने के लिए प्रत्येक ब्लॉक पर ड्रोन कैमरे की व्यवस्था कराई जाएगी। यदि किसान पराली जलाते पाया गया तो उस पर जुर्माना लगाने के साथ मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा। उप निदेशक ने बताया कि दो एकड़ से कम क्षेत्रफल वाले खेत में पराली जलाने पर 2500 रुपए, पांच एकड़ तक पांच हजार तथा पांच एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में पराली जलाने वाले किसानों पर 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

फसल अवशेष प्रबंधन के लिए कई प्रकार के कृषि यंत्र उपलब्ध हैं। किसान कंबाइन हार्वेस्टर, स्ट्रारीपर, स्ट्राकेर बेलर, मल्चर, पैडी स्ट्राचापर, श्रबमास्टर, रोटरी स्लेशर, रिवर्सिबुल एमबी प्लाऊ का भी प्रयोग कर अवशेष को खाद में बदल सकते हैं। इसके अलावा किसान बिना पराली हटाएं रबी की बुवाई के समय जीरो टिल सीड कम फर्टी ड्रिल, हैपीसीडर या सुपर सीडर का प्रयोग कर सकते हैं।

कार्तिक मास में श्री लक्ष्मण किला में प्रारंभ हुआ सत्यदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या के आचार्य पीठ श्री लक्ष्मण किला में कार्तिक मास के शुभ अवसर पर सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण महाराज के संयोजन में हो रहा है। कथा का शुभारंभ शुक्रवार को कलश यात्रा और मां सरयू के पूजन से हुआ। श्रीमद् भागवत कथा श्री बालाजी सेवा धाम, श्री बालाजी नागौर से पधारे आचार्य श्री बजरंग दास महाराज के श्री मुख से कही जा रही है। व्यासपीठ से श्री महाराज जी श्रीमद् भागवत कथा के महात्मा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा अमृत के समान है क्योंकि यह व्यक्ति का कल्याण करती है और अपने जीवन में निश्चित ही मनुष्य को एक बार श्रीमद् भागवत कथा सुनाई चाहिए। श्री महाराज जी ने बताया कि जब राजा परीक्षित को संत ने श्राप दे दिया तो उनकी मुक्ति के लिए वेदव्यास महाराज ने उन्हें श्रीमद् भागवत कथा सुनाइए और कहा कि श्रीमद् भागवत कथा ही ऐसी है जो आपको मुक्ति प्रदान करेगी।

श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय सत्र में श्री महाराज जी ने संतो के चरित्र का विस्तार से वर्णन किया और कहा की कथा अगर कार्तिक मास में सुनी जाए और वह अयोध्या जैसी तपोस्थली में सुना जाए तो श्रोता और वक्त दोनों का कल्याण हो जाता है, मैं सौभाग्यशाली हूं की कार्तिक मास की प्रतिपदा तिथि से मुझे भगवान श्री राम की जन्मस्थली में कथा सुनाने का अवसर प्राप्त हुआ। किला के अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण ने बताया कि मां सरयू के पावन तट पर विराजमान श्री लक्ष्मण किला पवन गुरुदेव किला पीठाधीश्वर महंत मैथिलीरमण शरण महाराज के आशीर्वाद यह कथा हो रही है। व्यास पीठ से आचार्य श्री बजरंग दास महाराज पवन कथा सुना रहे हैं कथा श्रवण कर सोता धन्य हो रहे हैं। सूर्य प्रकाश शरण महाराज ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा मनुष्य के जीवन बदल देती है इसलिए मनुष्य को अपने जीवन में श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण निश्चित तौर पर करना चाहिए। कथा 18 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक होगी।

284 चालकों व परिचालकों को मिलेगा 5.11 लाख का तोहफा

संवाददाता–बलरामपुर। राज्य सड़क परिवहन निगम ने जिले के 284 चालकों व परिचालकों को दीपावली से पहले पांच लाख 11 हजार 200 रुपए का तोहफा दिया गया है। वर्दी बनवाने के लिए प्रत्येक को 1800–1800 रुपए नकद दिया गया है। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) गोपीनाथ दीक्षित ने बताया कि बलरामपुर डिपो में चालकों व परिचालकों को वर्दी देने के लिए परिवहन निगम ने धनराशि जारी कर दिया है। बलरामपुर डिपो में 32 नियमित चालक व 119 संविदा चालक कार्यरत हैं। इसी तरह से बलरामपुर डिपो में चार नियमित परिचालक, 102 संविदा परिचालक एवं 27 आउट सोर्सिंग परिचालक कार्यरत हैं। वर्दी के लिए 151 चालकों व 133 परिचालकों को परिवहन निगम ने 1800–1800 रुपए जारी कर दिए हैं। सभी चालक व परिचालकों को दीपावली से पहले वर्दी लेने का सुझाव दिया गया है। सभी चालकों व परिचालकों को नियमानुसार दो साल पर परिवहन निगम से वर्दी की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है।

सड़क हादसों में दो युवक घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। दो अलग अलग सड़क हादसों में दो युवक घायल हो गए। एक को निजी अस्पताल जबकि दूसरे को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल से युवक को लखनऊ ट्रामा सेन्टर रेफर कर दिया गया। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के राजापुर पुरैना निवासी संतोष कुमार यादव रविवार सुबह बाइक से गिरंट बाजार आ रहा था। रास्ते में बनकटी गांव के पास पहुंचते ही दूसरे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में संतोष गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं हादसे के बाद दूसरा बाइक सवार बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

डाक्टर पर हमले का आरोपित सिपाही पंकज जेल से रिहा

संवाददाता–गोरखपुर। डॉक्टर अनुज सरकारी के ऊपर हथौड़ी से हमला करने वाले सिपाही पंकज कुमार को रविवार की सुबह जेल से रिहाई हो गई। सिपाही को पिछले बुधवार को कोर्ट ने जमानत दी थी। जमानतदारों की जांच के बाद शनिवार की रात में जेल में रिहाई का परवाना पहुंचा था लिहाजा रविवार की सुबह पौने आठ बजे जेल से रिहा कर दिया गया। इस दौरान पंकज के परिवारीजन और शुभचिंतक जेल के बाहर मौजूद रहे। पंकज के पिता ने कहा कि न्याय की जीत हुई। उन्होंने बेटे की रिहाई में मदद करने वालों का धन्यवाद किया। संतकबीरनगर जिले के रहने वाले सिपाही पकंज कुमार यूपी पुलिस में सिपाही के पद पर तैनात थे। उनकी वर्तमान पोस्टिंग बलिया जिले में है। ड्यूटी से ज्यादा गैर हाजिर होने की वजह से सिपाही को निलम्बित किया गया है। सिपाही पंकज अपनी पत्नी की पेट की बीमारी से परेशान होकर गोरखपुर शहर के गोस्ट्रो के मशहूर डॉक्टर अनुज सरकारी के छात्रसंघ चौराहे पर स्थित क्लीनिक पर दिखाने आए थे।

अल्ट्रासाउंड का तीन सौ रुपये ज्यादा लेने पर उनकी डॉक्टर से कहासुनी हुई। आरोप है कि उन्होंने डॉक्टर को धक्का दे दिया इसके बाद डॉक्टर के कर्मचारियों से सिपाही की पिटाई कर कैंट पुलिस को सौंप दिया। मामला थाने पर पहुंचने के बाद दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया हालांकि अगले दिन सिपाही दोबारा डॉक्टर के क्लीनिक पर पहुंचे और डॉक्टर पर हमले का आरोप लगाकर पीआरवी के दो अन्य सिपाहियों को बुला लिया।

सिपाही के साथ अंदर जाने के बाद पास मौजूद झोले से हथौड़ी निकाल कर डाक्टर के सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। डॉक्टर के स्टाफ ने सिपाही पंकज की पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। कैंट पुलिस ने तहरीर के आधार पर हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया था।

सिपाही के जेल जाने के बाद अधिवक्ताओं के साथ ही विभिन्न संगठन के लोगों डॉक्टर पर ही केस दर्ज करने की मांग शुरू कर दी। हालांकि अभी डॉक्टर पर केस दर्ज नहीं हुआ है। यही नहीं बार एसोसिएशन के मंत्री और अध्यक्ष ने कोर्ट में जमानत की पैरवी भी शुरू कर दी। इसी क्रम में बुधवार को कोर्ट से सिपाही को जमानत मिल गई और रविवार को रिहा कर दिया गया।

अवधेश प्रसाद ने कहा जानबूझ कर याचिका नहीं कराई गई खारिज, चुनाव लटकाने की कोशिश

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव को लेकर फंसे पेंच के बीच रविवार को सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने अपना पक्ष रखा और भाजपा के आरोपों को सिरे से खारिज किया। प्रेसक्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि चुनाव टालने के लिए भाजपा ने जान–बूझकर याचिका वापस लेने की प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया। इस वजह से याचिका खारिज नहीं हो सकी। अब भाजपा के लोग जनता के बीच अपने कृत्यों को छिपाने के लिए भ्रामक बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन जनता सब जान रही है। उन्होंने कहा कि न्यायालय नियम–कानून के आधार पर चलता है। याचिका वापस लेने के लिए तमाम प्रक्रियाएं होती हैं। जब उन्होंने 12 जून को विधानसभा की सीट से इस्तीफा दे दिया और 13 जून को इसे स्वीकार कर लिया गया तो सीट रिक्त हो गई। यह याचिका मिल्कीपुर विधायक को लेकर दायर थी, लेकिन जब वह विधायक रहे ही नहीं, तो किस हैसियत से वकील खड़ा करेंगे। यदि भाजपा चुनाव की पक्षधर थी तो सीट रिक्त होते ही उन्हें याचिका वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करना था। जान–बूझकर चुनाव टालने के मकसद से ही ऐसा किया गया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जीत के लिए भाजपा ने ऐड़ी–चोटी का जोर लगाया। तमाम बड़े नेताओं की फौज उतार दी, लेकिन जनता ने उन्हें नकार दिया। इससे देश–दुनिया में अयोध्या–फैजाबाद की खूब चर्चा हुई। इसी से भाजपा डरी–सहमी है और एक साथ उपचुनाव नहीं कराना चाहती है। ताकि पूरा फोकस वह मिल्कीपुर पर ही कर सके और तंत्र का दुरुपयोग हो सके। भाजपा को डर है कि मिल्कीपुर उपचुनाव हारने पर वह कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं बचेंगे। लेकिन जनता ने इस बार भी भाजपा का सफाया करने का मन बना लिया है। इस मौके पर सपा जिला महासचिव बख्तियार खान, अमित प्रसाद, प्रधान सुनील यादव, अखिलेश चतुर्वेदी व अन्य मौजूद रहे।

भाजपा के पूर्व विधायक व याचिकाकर्ता बाबा गोरखनाथ ने कहा कि उन्होंने 22 अप्रैल 2022 को याचिका दाखिल की थी। समाजवादी पार्टी और उसके सांसद अवधेश प्रसाद जो ढिंढोरा पीट रहे हैं, वह तथ्यों से परे है। सपा सांसद झूठों के सरदार हैं। पहले मिल्कीपुर का उपचुनाव टलवाने के लिए हाईकोर्ट में एक दर्जन वकीलों को भेजा। अब कह रहे हैं कि हमने कोई वकील खड़ा नहीं किया। जबकि सच यह है कि मेरी ओर से दायर याचिका को वापस लिए जाने का विरोध करने के लिए अवधेश प्रसाद का वकालतनामा लगा है। सपा चाहती है कि मिल्कीपुर का चुनाव टल जाए। समाजवादी पार्टी के नेता भाजपा से डर गए हैं।

सपा सांसद को लगा बड़ा झटका, जा सकती है सांसदी

संवाददाता–गोरखपुर। सुल्तानपुर सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद रामभुआल निषाद को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हत्या के प्रयास मामले में अपर सत्र न्यायाधीश गोविंद मोहन ने सांसद रामभुआल निषाद की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है। बेलीपार के भौवापार निवासी रंजीत उर्फ पप्पू निषाद सात मई 2012 को दिन में 11 बजे अपनी गाड़ी से दीवानी कचहरी आए थे। आरोप है कि कचहरी से वापस कुनराघाट जा रहे थे। दोपहर करीब 1:25 बजे वह छात्रसंघ चौराहे पर पहुंचे तो आरोपी रामभुआल निषाद अन्य साथियों के साथ दो बाइक से आए और जान मारने की नियत से पिस्टल से फायर करने लगा। वह गाड़ी से कूदकर जान बचाने के लिए पास के विशाल मेगा मार्ट में छिप गए। इस दौरान पीड़ित के वाहन चालक सुरेश पासवान के पेट में गोली लगी। दुकानदार के बेटे रवि पासवान के कंधे में भी गोली लगी।

वहीं, इससे पहले अभी गोरखपुर के निवासी और सुल्तानपुर सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद रामभुआल निषाद के खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया था। रामभुआल निषाद को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के आदेश दिए गए हैं।यह वारंट गोरखपुर के विशेष न्यायाधीश एमपी/एमएलए कोर्ट के ज्ञानेन्द्र कुमार ने जारी किया है। एसओ बड़हलगंज को निर्देश दिया गया है कि वे सांसद को तुरंत गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करें। यह मामला साल 2015 का है, जब एक विवादित घटना के बाद मृतक के शव को लेकर रामभुआल निषाद के नेतृत्व में सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए थे। उस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पटना चौराहे पर शव को नेशनल हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया था, जिससे पूरे इलाके में अफरा–तफरी का माहौल बन गया था। पुलिस की कोशिशों के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने जाम हटाने से इनकार कर दिया और पुलिस के साथ धक्का–मुक्की और अभद्रता भी की हाईवे पर हंगामा और पुलिस की मुश्किलें। इस घटना के चलते नेशनल हाईवे पर घंटों यातायात बाधित रहा, और पुलिस को जाम खुलवाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच बढ़ते तनाव ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया था। अंततः पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम हटवाया और मामले को नियंत्रण में लिया। इस मामले में भाजपा विधायक राजेश त्रिपाठी सहित कुल 11 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इनमें से 10 आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है, लेकिन रामभुआल निषाद ने कोर्ट में पेशी से बार–बार इंकार किया, जिसके चलते उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया। कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए बड़हलगंज को निर्देश दिया है कि वे सांसद को तुरंत गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करें। वरिष्ठ अधिवक्ता पीके दुबे ने की वारंट की पुष्टि इस मुकदमे की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता पीके दुबे ने गैर जमानती वारंट की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सांसद रामभुआल निषाद की लगातार अनुपस्थिति के चलते कोर्ट ने यह सख्त कदम उठाया है।

नेट परीक्षा में चमका गोरखपुर विश्वविद्यालय का अंग्रेजी विभाग, 21 छात्र-छात्राएं हुए क्वालीफाई

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के 21 छात्रों ने नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है, जो विभाग और विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने इस बार शैक्षिक उत्कृष्टता का एक नया अध्याय लिखा है। विभाग के 21 छात्रों ने गत दिनों जारी नेट परीक्षा परिणाम में सफलता प्राप्त कर विभाग और विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। यह पहली बार है जब विभाग से इतनी बड़ी संख्या में छात्रों ने एक साथ इस तरह की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। छात्रों की यह सफलता उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम और हमारे शैक्षिक वातावरण और अंग्रेजी विभाग की उत्कृष्टता का प्रमाण है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षिक प्रतिष्ठा को और भी ऊंचा उठाएगी।

विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ल ने छात्रों की इस सफलता पर हर्ष जताते हुए कहा कि यह हमारे विभाग के लिए गर्व का विषय है कि छात्रों ने इस प्रकार का ऐतिहासिक परिणाम दिया है। कुल 21 विद्यार्थियों का नेट एवं पीएचडी में उत्तीर्ण होना यह न केवल उनके कठिन परिश्रम का नतीजा है बल्कि कुलपति के सकारात्मक दृष्टिकोण और हम सभी के सामूहिक प्रयास का भी परिणाम है।

नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले एमए तृतीय सेमेस्टर के छात्र सुधांशु राय ने कहा कि यह परिणाम हमारी मेहनत के साथ–साथ अंग्रेजी विभाग के प्रेरणादायक वातावरण का भी परिणाम है। कुलपति प्रो पूनम टंडन एवं विभागाध्यक्ष प्रो अजय शुक्ल के द्वारा यहां दिया जा रहा शैक्षिक माहौल और मार्गदर्शन हमें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

एसपी पांडेय अध्यक्ष, वीपी श्रीवास्तव सचिव बने

संवाददाता–गोरखपुर। पंजाब नैशनल बैंक रिटायरीज फेडरेशन की गोरखपुर यूनिट का नौवां त्रैवार्षिक सम्मेलन रविवार को सम्पन्न हुआ। इसमें तीन साल के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव हुआ जिसमें जेके अग्रवाल को चेयरमैन चुनाव गया। इसी क्रम में एसपी पांडेय को अध्यक्ष, वीपी श्रीवास्तव को सचिव और अनुपम सहाय को कोषाध्यक्ष चुना गया। मुख्य अतिथि उप महाप्रबंधक पीएनबी कालिका प्रसाद ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी। महासचिव मित्रा वासु ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए फेडरेशन के कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में एआइबीआरएफ के प्रादेशिक महामंत्री राम मोहन टंडन और महामंत्री हरि सिंह ने सेवानिवृत कर्मचारियों के हितों की चर्चा की। इस दौरान ओपी त्रिपाठी, वेदानन्द दूबे, एमजे श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में मामा की मौत, भांजा घायल

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा थाना क्षेत्र के गहिरा के पास गोरखपुर देवरिया फोरलेन पर रविवार को सुबह टहल रहे मामा और भांजे ट्रक की चपेट में आ गए। मामा की मौके पर ही मौत हो गई और भांजा गम्भीर रूप से घायल हो गया। गहिरा कोहरा टोला निवासी लालमन (45) पुत्र शिवनंदन अपने भांजे विजय (32) पुत्र रामाज्ञा के साथ 5 बजे भोर में गोरखपुर देवरिया फोरलेन पर टहल रहे थे। अचानक ट्रक की चपेट में आने से दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गये जिसमें लालमन की मौके पर ही मौत हो गई और विजय का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। सूचना पर पुलिस पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक पान बेचने का काम करता था और घायल विजय वकालत करता है। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

यज्ञ से पूर्ण होती है जीवन की हर इच्छा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। यज्ञ एक विशेष धार्मिक प्रक्रिया है। इसके जरिए मनुष्य भौतिक सुख के साथ आध्यात्मिक सुख भी हासिल कर सकता है। सकारात्मक भाव से ईश्वर प्रकृति तत्वों से किए गए आह्वान से जीवन की प्रत्येक इच्छा पूर्ण होती है। ये बातें भवानीगंज क्षेत्र के मिटौरा स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित रुद्र चंडी महायज्ञ में कथा वाचक पंडित मनीष तिवारी ने कहीं। उन्होंने कहा कि यज्ञ को शास्त्रों में सर्वश्रेष्ठ कर्म कहा गया है। यज्ञ के माध्यम से अनेक सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। यज्ञ एक विशिष्ट आध्यात्मिक और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है जिसके द्वारा मनुष्य अपना जीवन सफल बना सकता है। यज्ञ में अग्निदेव की पूजा की जाती है। भगवान अग्नि प्रमुख देव हैं।

धान की बालियों में रोग लगने से किसान परेशान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के गांवों के खेतों में धान की लहलहाती फसल पर कई तरह के रोग लगने लगे हैं। इससे किसान परेशान हैं। फसल तैयार होने के समय मौसम के बदलाव होने से रोगों के लगने से किसान परेशान हैं। ज्यादातर खेतों में धान की बालियां पूरी तरह आ चुकी हैं और फसल तैयार होने वाली है। खेतों में धान की बालियां पर झोंका (कहीं–कहीं लावा कहा जाता है) रोग लगने से धान की बालियां पूर तरह पीली काली होकर बर्बाद हो रही हैं। यह देख किसान मायूस हो रहे हैं।

शिविर में जांची गई 273 लोगों की सेहत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के परसपुर गांव में रविवार को शिविर लगाकर डॉक्टरों की टीम ने 273 लोगों के सेहत की जांच कर दवाएं दी। डॉक्टरों ने कहा कि इस समय बीमारियों से बचने के लिए सावधानी बरतने की जरूरत है। इस मौसम में सफाई का विशेष ध्यान रखें। ताजे भोजन के अलावा पानी उबाल कर सेवन करें। बच्चों को बीमारी से बचाने के लिए उन्हें फास्ट फूड से दूर रखें। टीम में डॉ. लालमणि, डॉ. प्रभाकर पाण्डेय, अरुण कुमार श्रीवास्तव, वेद प्रकाश पाण्डेय, मो.रफीक, महेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

चिकित्सक ड्यूटी नहीं पहुंचे, फार्मासिस्ट ने देखा मरीज

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भवानीगंज न्यू पीएचसी पर रविवार को सीएमओ आरोग्य मेले का आयोजन हुआ। यह मेला खानापूर्ति की भेंट चढ़ गया। दोपहर 11.45 बजे तक चिकित्सक डॉ. हरिशंकर चौधरी ड्यूटी नहीं पहुंच सके थे। चिकित्सक के न पहुंचने पर फार्मासिस्ट राजेन्द्र चौधरी मरीजों को बारी–बारी देखकर परामर्श दे रहे थे। इस समय तक उन्होंने सात मरीजों को परामर्श दिया।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–D 202417140000318
अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी (F+R) बस्ती जिला–बस्ती
कृपाशंकर आदि
बनाम
जनार्दन आदि

1. जनार्दन पुत्र परमात्मा साकिन महुआर तप्पा रूधौली 2. चित्रांश पुत्र कमलेश 3. साकेत पुत्र कमलेश 4. माधुरी पत्नी कमलेश 5. सत्येन्द्र पुत्र गिरजा प्रसाद 6. शैलेन्द्र कुमार पाण्डे 7. शतीश कुमार पाण्डे पुत्रगण अनिल कुमार पाण्डेय उर्फ विजय बहादुर 8. जान्हवी देवी पत्नी अनिल कुमार उर्फ विजय बहादुर 9. सुभावती पत्नी चन्द्रदेव 10. देवेन्द्र पाण्डे 11. विनय कुमार पाण्डे पुत्रगण चन्द्रदेव साकिन महुआर त0 रूधौली –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

12. आशुतोष नरायन पुत्र चन्द्रभान 13. दिवाकर पति पुत्र शीतला प्रसाद पाण्डे 14. प्रताप नरायन पुत्र चन्द्रभान –प्रतिवादी तृतीय वर्ग

15. सुभावती देवी पत्नी अनरूद्ध 16. धर्मदेव 17. आनन्द पाण्डेय पुत्रगण अनरूद्ध पाण्डेय साकिन आमाखुर्द तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर–प्रतिवादी चतुर्थ वर्ग 18. ग्राम पं0 महुआर त0 रूधौली पर0 नगर पश्चिम तह0 रूधौली बस्ती 19. उ0प्र0 सरकार जरिये कलेक्टर बस्ती–प्रतिवादीगण पंचम वर्ग

तारीख पेशी 23–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसखत मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 1213/2016
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती राधा देवी
बनाम
अनिल कुमार आदि

1. अनिल कुमार 2. सुनील कुमार 3. अजय कुमार पुत्रगण मिठाई लाल 4. श्रीमती वेवा पत्नी मेवालाल 5. अमित 6. अमर पुत्रगण मेवालाल निवासीगण ग्राम भकरही उर्फ विशेषरगंज तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–12–2024

हरगाह न आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसखत मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 482/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामवृक्ष
बनाम
मुन्नी देवी आदि

1. मुन्नी देवी पत्नी काशीराम –प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. रामजग पुत्र फौजदार 3. सुग्रीव पुत्र फौजदार साकिनान ग्राम करहली बुजुर्ग तप्पा पिलाई परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती –प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 02–12–2024

हरगाह न आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसखत मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–2494/2024
धारा 116 उ0प्र0रा0संहिता 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी भानपुर बस्ती जिला–बस्ती
अलीहसन
बनाम
गुलहसन आदि

2. मेंहदीहसन पुत्र अदालत साकिन बेलगड़ी तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 3. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति द्वारा ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत बेलगड़ी तप्पा छपिया परगना रसूलपुर विकास खण्ड रामनगर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसखत मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 17 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल निगरानी
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन मण्डल बस्ती जिला बस्ती
बृजमनदास आदि
बनाम
रामसागर दूबे आदि

1. रामसागर दूबे पुत्र शत्रुघ्न दूबे 2. आशा देवी पत्नी रामसागर साकिन महनी तप्पा ऊटापार परगना तहसील नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 03–11–2024

अपील बनराजी आदेश अदालत तह0 नौगढ़ मुकाम सिद्धार्थनगर मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 03 महीना 11 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 112/2024
भवानीशंकर गौड़–सायल

1 भवानीशंकर गौड उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र पतिराजगौड निवासी हास्पिटल चौराहा कोतवाली रोड तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–11–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकेद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह ईश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 15–11–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद संख्या 26/2017
मूलवाद सं0 565/2010
भारतीय स्टेट बैंक
बनाम
रामू साहू आदि

1. रामू साहू 2. राजू 3. श्यामू 4. प्रदीप कुमार 5. संदीप कुमार पुत्रगण स्व0 त्रिलोकीनाथ साहू 6. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी स्व0 त्रिलोकीनाथ साहू 7. श्रीमती बलजाती पुत्री स्व0 त्रिलोकीनाथ सभी निवासीगण मोहल्ला चिकवा टोला दक्षिण दरवाजा पोस्ट पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 8. प्रेमचन्द्र पुत्र बद्रीप्रसाद निवासी मोहल्ला राजाबाजार पोस्ट पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 9. सीताराम पुत्र सोमईराम मोहल्ला जाटोटोला दक्षिण दरवाजा पुरानी बस्ती पोस्ट पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 13–11–2024

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बराये माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 13 माह 11 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुस्तहर मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कार्यालय यू0पी0 कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड बस्ती मण्डल, बस्ती
Pan Number -AAATU0955C GSTN Number-09AAATU0955C2ZK
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खरीफ विपणन वर्ष 2024–25 में पी0सी0यू0 द्वारा मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत बस्ती मण्डल के जनपद बस्ती, सन्तकबीर नगर एवं सिद्धार्थनगर में जिलाधिकारी महोदय द्वारा अनुमोदित क्रय केन्द्रों पर क्रय किए जाने वाले खाद्यान्न के हैण्डलिंग कार्य हेतु ठेकेदारों/फर्मो से निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि, निविदा विशिष्टियां/निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य जानकारी https/ etender. up.nic.in पर उपलब्ध है।
क्षेत्रीय प्रबंधक
यू0पी0पी0सी0यू0
बस्ती मण्डल,बस्ती
पत्रांक– 13/धा0स0/2024–25 दिनांक 19.10.2024

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलःbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com